टेस्ट

Chronicle ias

सामान्य अध्ययन - (प्रश्न - पत्र II)

GENERAL STUDIES (Paper II) (2025)

निर्धारित समय : तीन घण्टे Time Allwed : Three Hours	अधिकतम अंक : 250 Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें।

इसमें **बीस** प्रश्न दिए गए हैं जो **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-प्रत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) प्रस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए।
प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्न संख्या 1 से 10 तक का उत्तर 150 शब्दों में तथा प्रश्न संख्या 11 से 20 तक का उत्तर 250 शब्दों में दें।
प्रश्नों में इंगित शब्द-सीमा को ध्यान में रखें।
प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दें।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting question.

There are **TWENTY** question printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a quetion/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided.

NO marks will be given for answer written in a medium other that the authorized one.

Answers to Question Nos. **1** to **10** should be in **150** words, whereas answers to Question NOs. **11** to **20** should be in **250** words.

Word limit in questions should be addered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

✓ Download the model answers of the test paper from www.chronicleias.in
✓ Watch the detailed video discussions of the questions in our website www.chronicleias.in
✓ For more details, call: 9953007636/9953007637 or WhatsApp: 9582219048

1. "भारत में संसदीय सर्वोच्चता और न्यायिक समीक्षा का मिश्रण संवैधानिक सर्वोच्चता के सिद्धांत के रूप में विकसित हुआ है।" टिप्पणी कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में लिखिए)

"The blend of parliamentary supremacy with judicial review in India has evolved into the doctrine of Constitutional supremacy." Comment. (Answer in 150 words) 10

2. राज्य विधान में राष्ट्रपति और राज्यपाल की भूमिका का परीक्षण कीजिए। यह भारत के संविधान के तहत परिकल्पित संघीय ढांचे को कैसे प्रभावित करता है? विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में लिखिए)

Examine the role of the President and the Governor in state legislation. How does it impact the federal framework as envisaged under the Constitution of India? Discuss. (Answer in 150 words) 10

3. आरक्षण के प्रयोजनों के लिए अनुसूचित जातियों के भीतर उप-वर्गीकरण यह सुनिश्चित करता है कि हाशिए पर पड़े समूहों के सबसे सुभेद्य लोगों को उनका उचित हिस्सा मिले। टिप्पणी कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में लिखिए)

Sub-classification within Scheduled Castes for the purposes of reservation ensures that the most vulnerable within marginalised groups receive their fair share. Comment. (Answer in 150 words) 10

4. भारत में जन्म से नागरिकता संबंधित प्रावधानों पर संक्षेप में चर्चा कीजिए तथा अमेरिकी संविधान के प्रावधानों से इसका अंतर स्पष्ट कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में लिखिए)

Briefly discuss the provisions related to citizenship at birth in India and distinguish it with that in the US Constitution. (Answer in 150 words) 10

5. राज्य द्वारा वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार पर निर्बंधन का जोर संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत मूलभूत अधिकारों को बनाए रखते हुए 'युक्तियुक्त' आधार पर होना चाहिए। व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में लिखिए)

The emphasis of limitations to the Right to freedom of speech and expression by the State should be on 'reasonable' grounds maintaining substantive rights under Article 19(1)(a) of the Constitution. Explain. (Answer in 150 words) 10

6. "यह देखते हुए कि 2050 तक भारत की 50 प्रतिशत आबादी शहरों में रह रही होगी, मजबूत शहरी स्थानीय निकाय अधिक प्रासंगिक बन गए हैं।" भारत में शहरी स्थानीय निकायों के कामकाज पर हाल ही में सीएजी की रिपोर्ट के आलोक में परीक्षण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में लिखिए)

"Considering that 50 per cent of India will be residing in cities by 2050, robust urban local bodies have become more pertinent." Examine in light of the recent CAG report over functioning of urban local bodies in India. (Answer in 150 words) 10

✓ Download the model answers of the test paper from www.chronicleias.in
✓ Watch the detailed video discussions of the questions in our website www.chronicleias.in
✓ For more details, call: 9953007636/9953007637 or WhatsApp: 9582219048

7. भारत में, विशेष रूप से सामुदायिक स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के प्रति 'वन हेल्थ अप्रोच' के महत्व की व्याख्या कीजिए। यह सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों की रोकथाम में किस तरह मदद कर सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में लिखिए)

Explain the importance of 'One Health approach' towards health issues, particularly at the community level in India. How could it help in preventing incidences of public health emergencies? (Answer in 150 words) 10

8. निर्धनता और कुपोषण के स्थायी समाधान की खोज के केंद्र में संशोधित नीति प्रक्रियाएँ और सहयोगात्मक प्रयास हैं। उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में लिखिए)

Revamped policy processes and collaborative efforts are at the centre of the pursuit of lasting solutions to poverty and malnutrition. Explain with examples. (Answer in 150 words) 10

9. बिम्सटेक समूह क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए न केवल बहुपक्षीय परिणामों बल्कि द्विपक्षीय जुड़ाव हेतु भी एक मंच प्रदान करता है। विश्लेषण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में लिखिए)

BIMSTEC grouping provides a platform for not only multilateral outcomes but also bilateral engagements to promote regional cooperation. Analyse. (Answer in 150 words) 10

10. अमेरिका-यूरोपीय संघ (ईयू) संबंधों में पुनः समायोजन के भारत पर प्रभाव का विश्लेषण कीजिए। भारत-ईयू साझेदारी के लिए इसमें क्या संभावनाएँ हैं? (उत्तर 150 शब्दों में लिखिए)

Analyse the impact of readjustments in US-European Union (EU) relations on India. What potential does it hold for India-EU partnership? (Answer in 150 words) 10

11. भारत में आसन्न परिसीमन कार्यक्रम के लिए संघीय समानता के साथ लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के नाजुक संतुलन की आवश्यकता है। विस्तारपूर्वक समझाइए। इस संबंध में अंतर्राष्ट्रीय प्रथाएँ क्या हैं? भारतीय संदर्भ में इस मुद्दे का आदर्श समाधान क्या हो सकता है? (उत्तर 250 शब्दों में लिखिए)

The impending delimitation exercise in India requires a delicate balancing of democratic representation with federal equity. Elaborate. What are the international practices in the regard? What could be an ideal solution to this issue in the Indian context? (Answer in 250 words) 15

12. भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने संपत्ति के अधिकार और राज्य द्वारा पुनर्वितरण के माध्यम से सामाजिक कल्याण के उद्देश्य के बीच संघर्ष पर अपने रुख में स्पष्ट बदलाव किया है। प्रासंगिक वाद विधियों के साथ विवेचना कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में लिखिए)

The Supreme Court of India has made a clear shift in its stand over the conflict between the Right to Property and the cause of social welfare by the State through redistribution. Discuss with relevant case laws. (Answer in 250 words) 15

13. 106वें संविधान संशोधन अधिनियम का महत्व समझाइए। यह किस हद तक प्रगतिशील विधानों पर संसदीय सर्वसम्मति की भावना को प्रदर्शित करता है?

Explain the significance of the 106th Constitutional Amendment Act. To what extent does it exhibit the spirit of parliamentary consensus over progressive legislations? (Answer in 250 words) 15

✓ Download the model answers of the test paper from www.chronicleias.in
✓ Watch the detailed video discussions of the questions in our website www.chronicleias.in
✓ For more details, call: 9953007636/9953007637 or WhatsApp: 9582219048

14. न्यायिक निर्णयों के कमजोर प्रवर्तन के परिणाम गंभीर होते हैं, जो शासन और न्यायपालिका दोनों में जनता के विश्वास को कम करते हैं। परीक्षण कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में लिखिए)

The consequences of weak enforcement of judicial decisions are profound, undermining both governance and public trust in the judiciary. Examine. (Answer in 250 words) 15

15. आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आदि योजना-आधारित कार्यकर्ता (एसबीडब्लू) समुदाय और कल्याणकारी योजनाओं के बीच सेतु का काम करते हैं। इन कार्यकर्ताओं के सामने आने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों की पहचान कीजिए। उनकी स्थिति में सुधार के लिए क्या उपाय अपनाए जा सकते हैं? (उत्तर 250 शब्दों में लिखिए)

The Scheme-based workers (SBWs) like ASHAs, Anganwadi workers etc act as a bridge between the community and welfare schemes. Identify the important issues faced by these workers. What measures can be adopted to improve their condition? (Answer in 250 words) 15

16. भारत में सिविल सेवकों को नियंत्रित करने वाले आचरण नियमावली की समीक्षा की आवश्यकता की विवेचना कीजिए। तेजी से बदलते शासन परिदृश्यों के मद्देनजर सिविल सेवकों के बीच प्रदर्शन और व्यावसायिकता को बेहतर बनाने के उपाय सुझाइए। (उत्तर 250 शब्दों में लिखिए)

Discuss the need to review conduct rules governing civil servants in India. Suggest measures to improve performance and professionalism among civil servants in light of rapidly changing governance scenarios. (Answer in 250 words) 15

17. कॉर्पोरेट फाउंडेशन सरकारी नीतियों और संसाधन आवंटन को प्रभावित कर 'विकास उद्योग' का एक महत्वपूर्ण घटक बन गए हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विश्लेषण कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में लिखिए)

Corporate foundations have become a crucial component of 'development industry' influencing government policies and resource allocations. Analyse with suitable examples. (Answer in 250 words) 15

18. समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय के लिए भारत सरकार द्वारा अपनाए गए 'परिपूर्णता दृष्टिकोण' से आप क्या समझते हैं? अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के लिए कल्याणकारी योजनाओं के विशेष संदर्भ में विवेचना कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में लिखिए)

What do you understand by the 'Saturation Approach' adopted by the Government of India for inclusive human resource development and social justice? Discuss in the particular context of welfare schemes for the Scheduled Tribes (STs). (Answer in 250 words) 15

✓ Download the model answers of the test paper from www.chronicleias.in
✓ Watch the detailed video discussions of the questions in our website www.chronicleias.in
✓ For more details, call: 9953007636/9953007637 or WhatsApp: 9582219048

19. मानवता के विरुद्ध अपराधों से निपटने के लिए कोई विशिष्ट वैश्विक संधि नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) का रोम संविधि 'मानवता के विरुद्ध अपराध' को कैसे परिभाषित करता है? इन अपराधों को रोकने और दंडित करने के लिए ऐसी संधि की आवश्यकता का मूल्यांकन कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में लिखिए)

There is no specific global treaty addressing crimes against humanity. How does the Rome statute of the International Criminal Court (ICC) define 'crime against humanity'? Evaluate the need for such a treaty to prevent and punish these crimes. (Answer in 250 words) 15

20. भारत के लिए तेजी से अव्यवस्थित हो रही अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली में अपने हितों की रक्षा के लिए बहु-संरेखण आवश्यक है। ब्रिक्स समूह के विस्तार की जटिलताओं के बावजूद इसके साथ भारत की निरंतर भागीदारी पर टिप्पणी कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में लिखिए)

Multi-alignment is essential for India to safeguard its interests in an increasingly disordered international system. Comment on India's continued involvement with the BRICS grouping, despite the complexities of its expansion. (Answer in 250 words) 15

✓ Download the model answers of the test paper from www.chronicleias.in
✓ Watch the detailed video discussions of the questions in our website www.chronicleias.in
✓ For more details, call: 9953007636/9953007637 or WhatsApp: 9582219048